



विक्रय पत्र मुद्रा 675000/- रुपये।

स्टाम्प शुल्क हेतु गालियत 675000/-रुपये।

विक्रीत भूमि का क्षेत्रफल 712घण्टाफुट धारी 66.17घण्टीटर।

सर्किल दरसर्किल रेट के पृष्ठ ४ वार्ड नं ७ के क्रमोंक १ के अनुसार 8000/- रुपये प्रति वर्गमीटर से गालियत 530000/-रु 0 कर्ड इरिया 25.85घण्टीटर कवड़ दर 4500/-रु प्रति वर्गमीटर से हास मूल्य काटकर 1647/-ल० प्रतिघण्ट मीटर से मालियत 43000/-रु 0। सम्पत्ति लगभग 100 दर्घ पुरानी बनी है। निर्माण श्रेणी 2 का है। अवास एवं विकास शुल्क के अन्तर्गत है। रटाम्प शुल्क 67500/-रुपये। रिथत निरंजनी ढाखाडा हरिद्वार परगना ज्वलापुर लहसुल व जिला हरिद्वार अन्दर सीमा। नगर पालिका समिति हरिद्वार है। मुख्य उडक से लगभग 150मीटर की दूरी पर है।

मैं कि श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल पुत्र रहा श्री इन्द्ररसीदास निवासीगण 25.ए.पी. सेन रोड लखनऊ के हैं।

विदित हो कि मैं विक्रेता निम्नलिखित राम्पति का राह रथामी व अधिकारी हूँ। निम्न लिखित राम्पति आज तक हर प्रकार के ऋण परिवर्तन आदि के गार रो शुद्ध एवं मुक्त हैं कहीं पर आल

१८. नवम्बर १९८८

✓ १८. नवम्बर १९८८

65000
45000
5000
20 5020
800
25 एप्रिल १९८५ दो बार
मिशन के लिए वित्तीय संकेत
वित्तीय संकेत
4.5/10/85

जरोल जी पवित्र शंख का लकड़ी
में इस देवताके लिए
दुन व सराहना दी गयी है।
जहाँ निष्ठा विश्वास विश्वास
रही है। इसके लिए यह लकड़ी
को बढ़ाव दी गयी है।
जहाँ निष्ठा विश्वास विश्वास
रही है। इसके लिए यह लकड़ी
को बढ़ाव दी गयी है।
जहाँ निष्ठा विश्वास विश्वास
रही है। इसके लिए यह लकड़ी
को बढ़ाव दी गयी है।



- 2 -

रहन या बन्धक नहीं है। और न ही निम्न लिखितरासपत्रि को बन्धक करके कोई ऋण आदि किरी सकहगे बैंक कापनी सोसायटी आदि से लिया हुआ है। मैं विकेता निम्न लिखित रास्पत्रि के विकाय करने में पूर्ण रूप रो सक्षम हूँ। अब अपनी स्वत्त्व इन्ड्रियो तथा शिथर बुद्धि की अवधि में अपनी इच्छा व प्रारन्ति रो नय हर प्रकार के स्वतत्व व अधिकारों के बदले मुब़ 675000/- रु० ०० लाख पिचहत्तर हजार रुपये गे मैसर्व प्रसाद हेरीटेज प्रोजैक्ट प्रा० लि० ६ शाहनजाफ रोड लखनऊ द्वारा डायरेक्टर श्री शिर्दार्थ प्रसाद पुत्र स्व० श्री गोदिन्द प्रसाद निवासी ६—शाहनजाफ रोड लखनऊ के हक मैं विकाय व हस्तान्तरित कर दी है और कुल यूल्यराशि निम्न प्रकार प्राप्त कर ली है तेत्पश्चात इसके कुल यूल्य राशि केता के जिम्मे शेष नहीं रही है और न ही भविष्य मे होगी। कब्जा द दखल केता महोदय का बाखूबी व दाकई भौके पर निम्न लिखितरासपत्रि पर करा दिया है और अपना कब्जा हर प्रकार से हटा लिया है। अब प्रतिज्ञा वचन देते हैं और प्रतिज्ञा करते हैं; कि केता महोदय निम्नलिखित सम्पत्ति पर अपना सारस्त अधिकार रक्षासेवा सहित करके लाभ हर प्रकार रो प्राप्त करे, हर प्रकार से अपना भैंग व प्रयोग मे लाये और जो चाहे रो करे, अब प्रतिज्ञापन तथा उसके

१८ अक्टूबर २०१८

✓ अक्टूबर

मा राम के लोकों की ओर
संस्कृत लोकों का नाम
श्री
दिवाली १९७५

लोकों की लोकों की सुख-विश्वास

→ B

15/03/05

A.C. Agarwal

Shreya

Omkar

Sandeep



मेरी खतों प्रतीक शोध है अंग्रेज तिक्क
जनताएँ विषय नहीं बिल्कुल नहीं।





उत्तराधिकारीयों को विक्रय की हुई निम्नलिखित सम्पत्ति तथा उसकी मूल्य राशि से कोई सम्बन्ध किसी प्रकार लाभेष नहीं रहा और ना ही भविष्य में होगा। यदि बाद ने विस्तीर्ण वानूनी के कारण या किसी के बाद विवाद करने पर उक्त सम्पत्ति कुल या उसका कोई अंश कछ्जा या दखल केता उक्त रो निकल जाये तो केता को अधिकार होगा कि वह अपनी कुल या उसका कोई अंश मूल्य राशि मुझ प्रतिज्ञ रो या मेरी जात खास या जायदाद रो मद ब्याज व हर्ज खर्च सहित वसूल कर लेये। इसने हम छिकेतागण आ हमारे वारसान की कोई उजर नहीं होगा। चीज विकेता उन जुमला कानूनी जिम्मेदारीयों का जो कि बरुहथे कानून एक प्रतिज्ञ पर आयद होती है, का पूरा पूरा बाबन्द व जिम्मेदार होगा व सुठेगा। उल्लेखनीय है कि विषयगत सम्पत्ति प्रसिद्ध नाम लाहौर हाउस जिसका नवशा नजरी संलग्न है निम्नलिखित सम्पत्ति के स्थानी स्वरूप श्री रायबहादुर लक्ष्मणदास थे जिनका उक्त सम्पत्ति गे 6/16वा भाग था। जिनकी मृत्यु के पश्चात उनकी दस्तीयत दिनांकीत 28-2-59 के अनुरार निम्नलिखित सम्पत्ति गे जिला जज लखनऊ के आदेश दिनांकीत 15-4-61 द्वारा उनके पुत्र श्री

रामनाथ

लाल

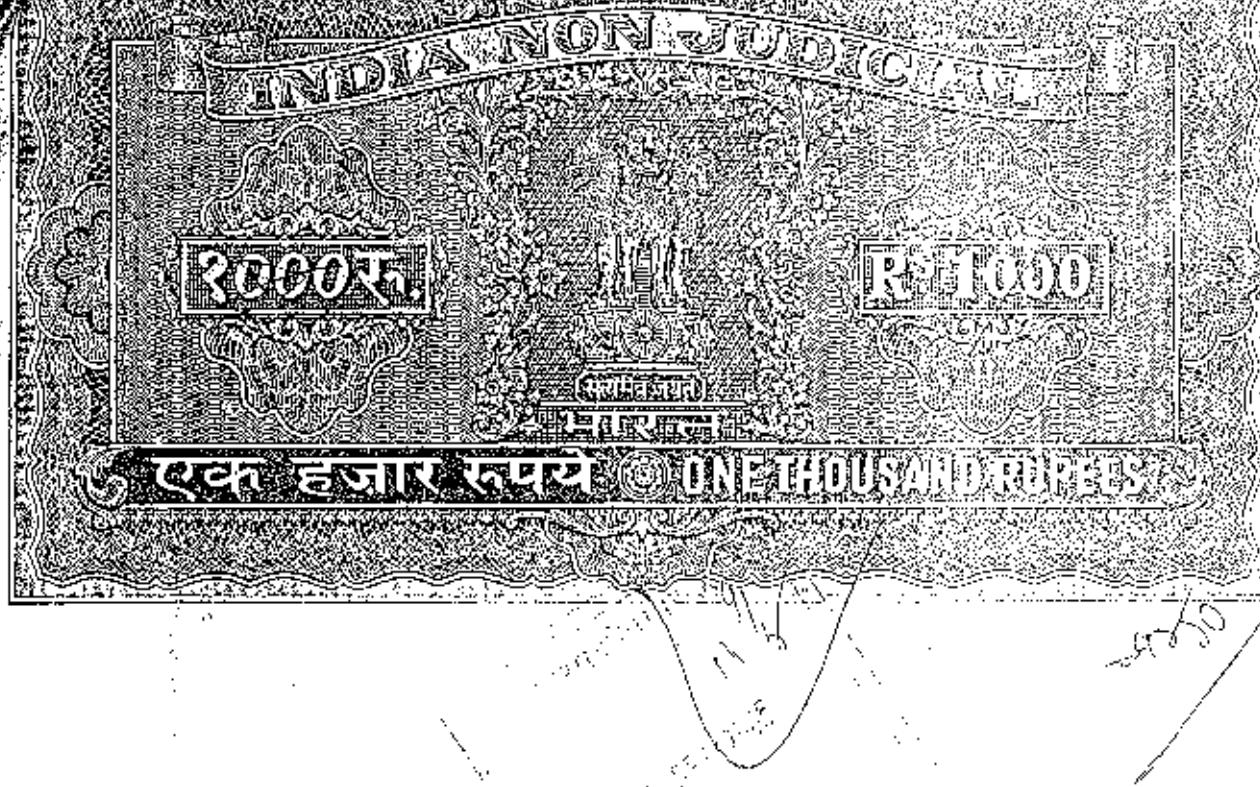


15 SEP 2005
4-

मुलखराज व श्री बनारसीदास व श्री द्वारकादास व सूक्ती पत्नि श्री
मति ईश्वर कौर को बराबर हिस्सा 3/32 प्राप्त हुई। श्री मति
ईश्वर कौर की मृत्यु के एवाल उनके वसीयत नामा दिनांक
20-1-72 गिला जज लखनऊ के आदेश दिनांकीत 28-10-78 के
द्वारा निम्नलिखित सम्पत्ति आठ भागों में बराबर विभाजित हुई।

R.K. Agarwal

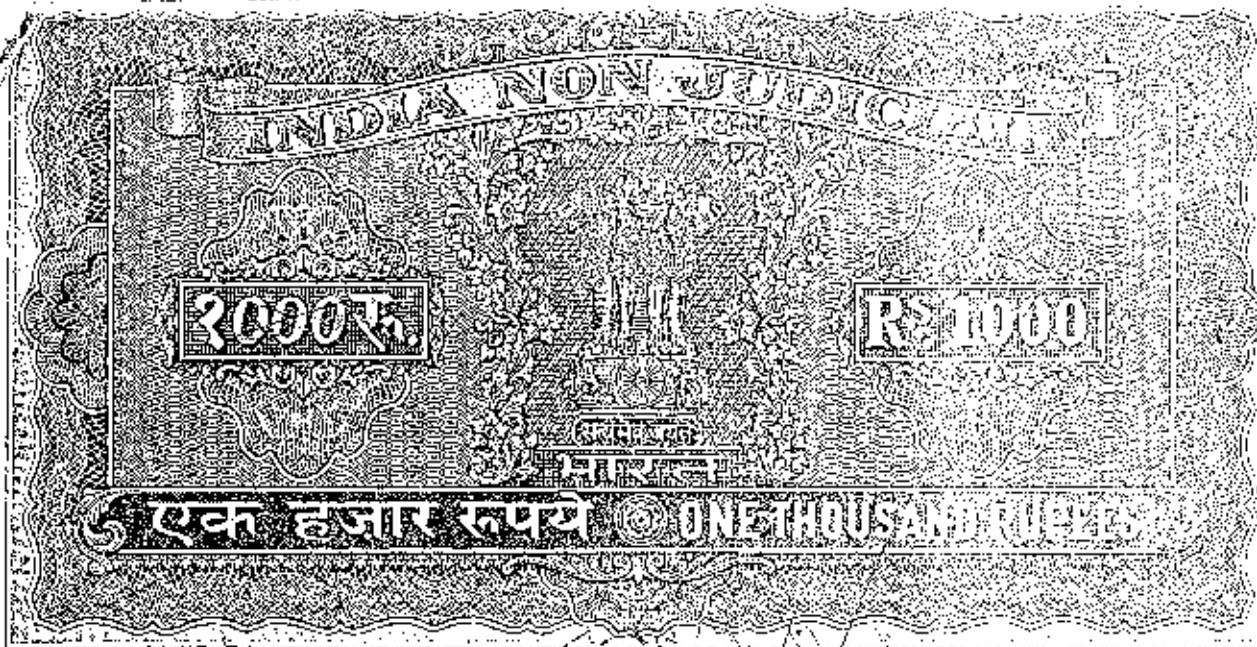
✓



इसी प्रकार बनारसीदास को एक शेयर 3/256वा भाग अंतिरिक्त प्राप्त हुआ तथा उनका शेयर 27/256 हो गया श्री बनारसी दास की मृत्यु दिनांक 19-2-93ई0 को हो गयी तथा उनकी मृत्यु के स्वचाल उनके पुत्र श्री प्रदीप कुमार अग्रदाल 9/256 के खाती द अधिकारी हुए। तदानुसार विकेता विषयगत सत्पत्ति के संयुक्त गालिक स्वामी कांडिज द अधिकारी है। तथा तादानुसार विकेता को

R.K. Agarwal

✓

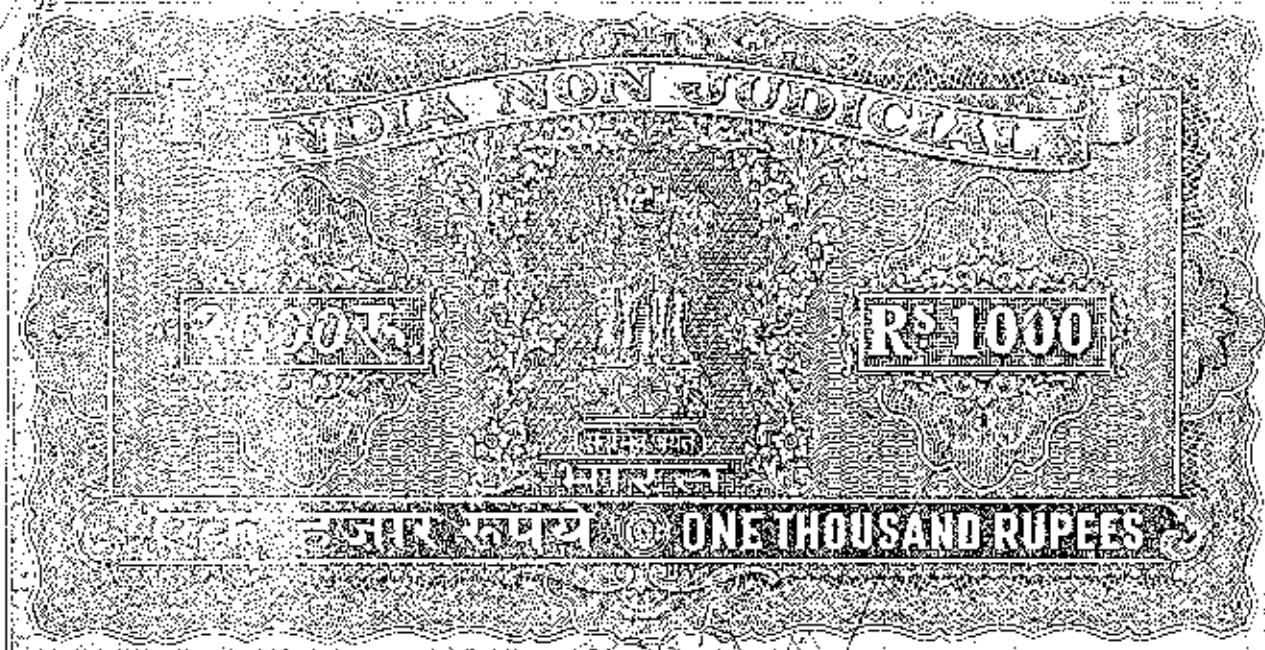


विषयगत सम्बन्धि के दरतात्त्रण, विक्रय आदि को बालू पूर्ण अधिकार प्राप्त है। कुल मुल्य राशि भुवर 675000/- रु. ५५ लाख पिचहत्तर हजार रुपये में विक्रेता द्वारा कर्ता से निम्नलिखित वैध द्वारा प्राप्त कर लिये हैं। इन्हें विक्रेता द्वारा उपरोक्त ऐसे कि प्रतिफल धनराशि प्राप्त कर ली है। कल्पा दारत्रिया एवं उसके दर के तु का लागत दिया है तथा केता को विषयगत सम्बन्धि को लाभ

P. K. M. J. S. A. I.

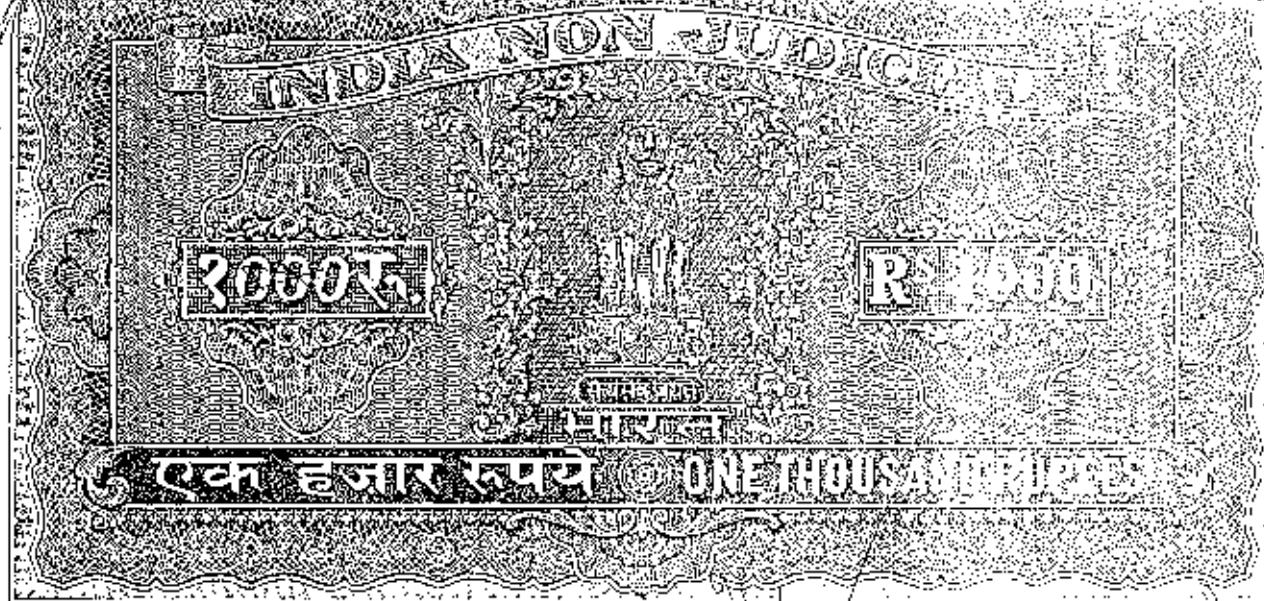
कर्ता

1000Rs.



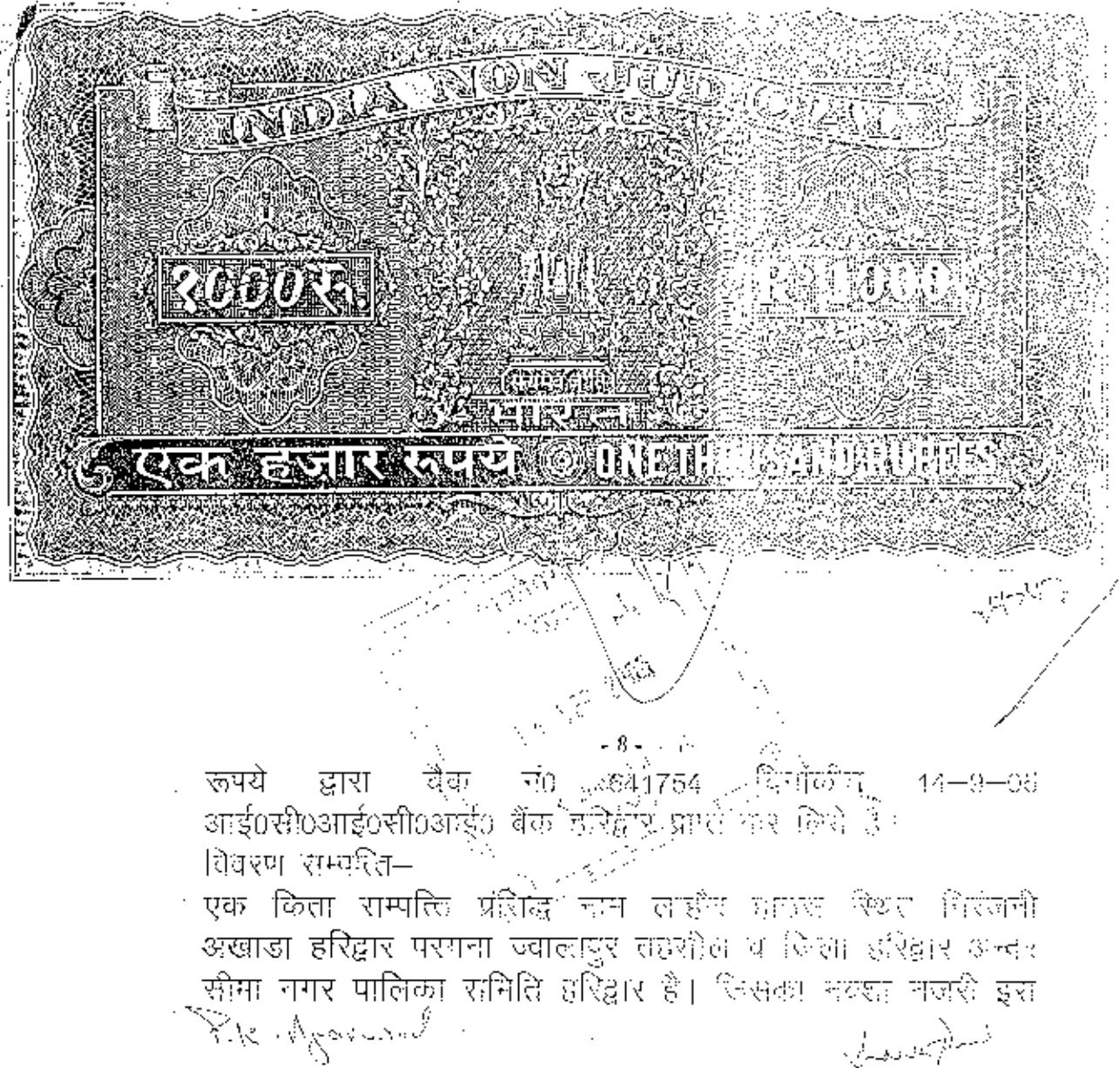
विवरणत रम्परित के हस्तानाम, विक्रय आदि की बाबत पूरा
आगिकार प्राप्त है। कुल मुल्य चाशि मुद्दों 675000/- रुपये लाख
प्रियदर्शक रुपये में विक्रेता द्वारा केता से निम्नलिखित चैक
द्वारा प्राप्त कर लिये हैं। उन्होंने विक्रेता द्वारा अपने हिस्से की
प्रतिशत अनुशासि प्राप्त कर ली है। कब्जा धारतविक गौके घर केता
को दरा दिया है तथा केता को विषयगत सम्पत्ति कि बाबत

✓
मुक्त



स्थानिक के कुल अधिकार मय सुखाधिकार ब्राह्म हो रहे हैं। लेता-
एवं विकेता के मध्य उक्त सम्बन्धि की वापत कर्त्ता रजिस्टर्ड
इंकरारनामा नहीं हुआ है। उक्त सम्बन्धि पर उत्तरांश.
पू-अधिनियम 29/2003 द्वारा नहीं है। उक्त सम्बन्धि धार्मिक
संरथा व द्रेस्ट कि नहीं है। विवरण प्राप्त मुल्यराशि— नुस्खा विकला ने
कुल मुल्य राशि मुक्त 675000/- ३० छ. लाख विवरतर ठार

का दिनांक

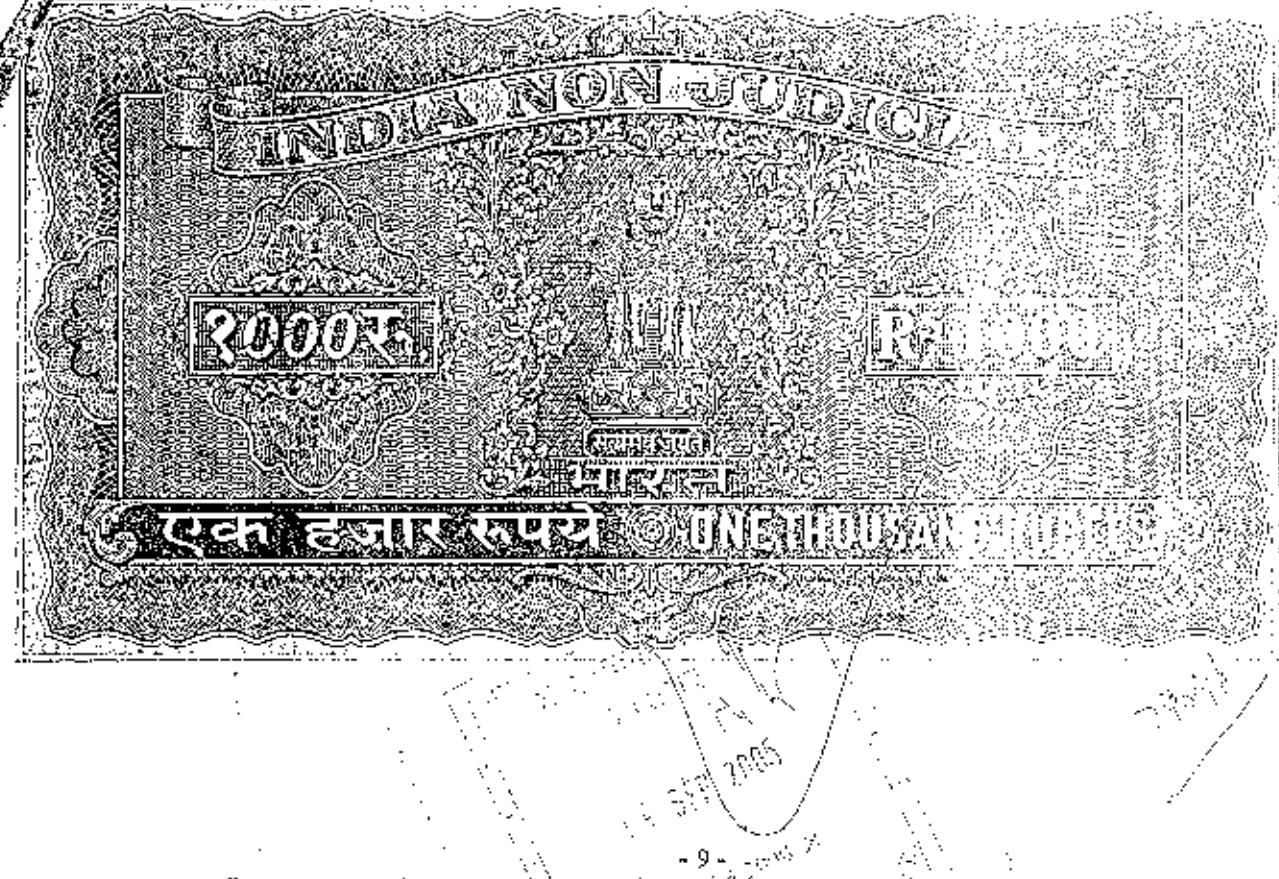


रुपये द्वारा देवा नं० ५४१७५४ दिनांकित १४-९-०६
आई०सी०आई०सी०आई० बैंक नुवोराम प्राप्त कर लिये हैं।

विवरण राम्पति—

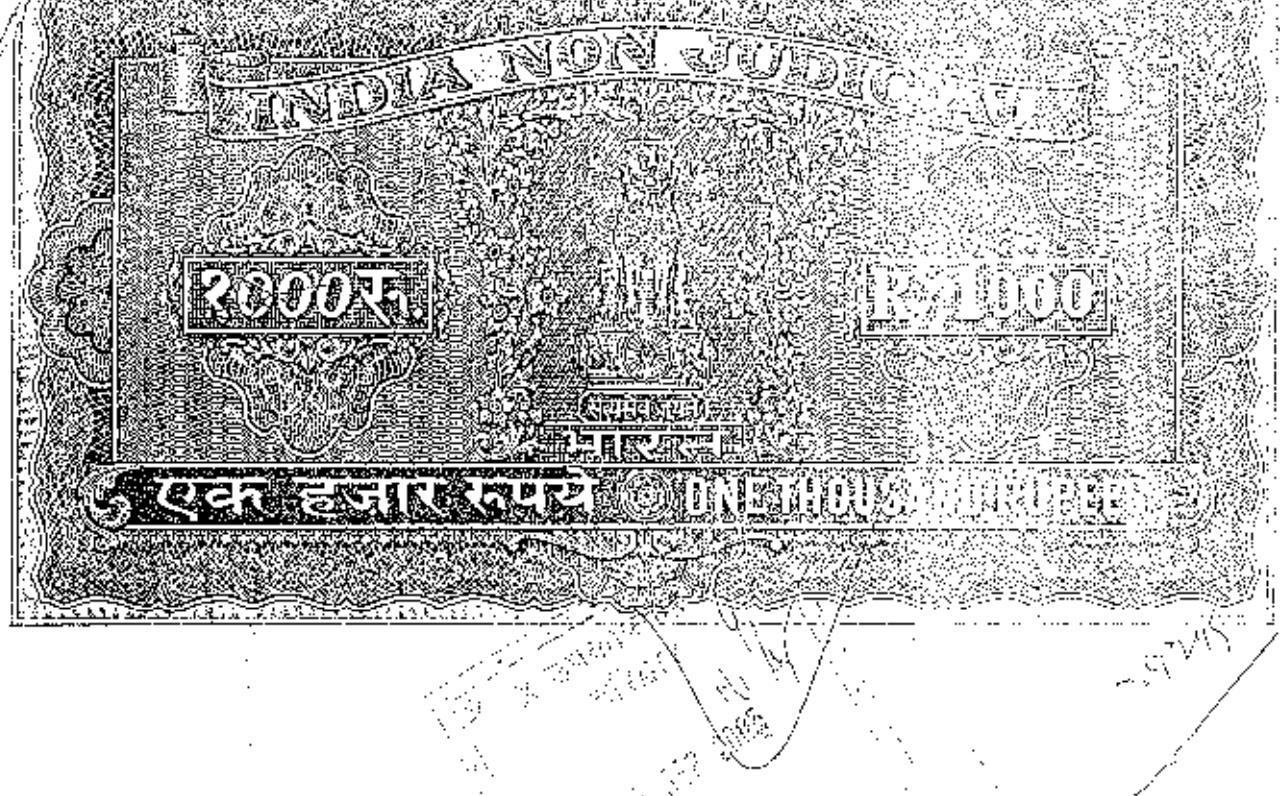
एक कित्ता राम्पति प्रसिद्ध कन लाहौर एवं रिउर गिरजनी
अखाड़ा हरिद्वार परगना ज्यालाइर तहसील व जिला हरिद्वार उपर
सीमा नगर पालिका रामिति हरिद्वार है। इसका अवल नजरी इस

१८ अक्टूबर १९०६



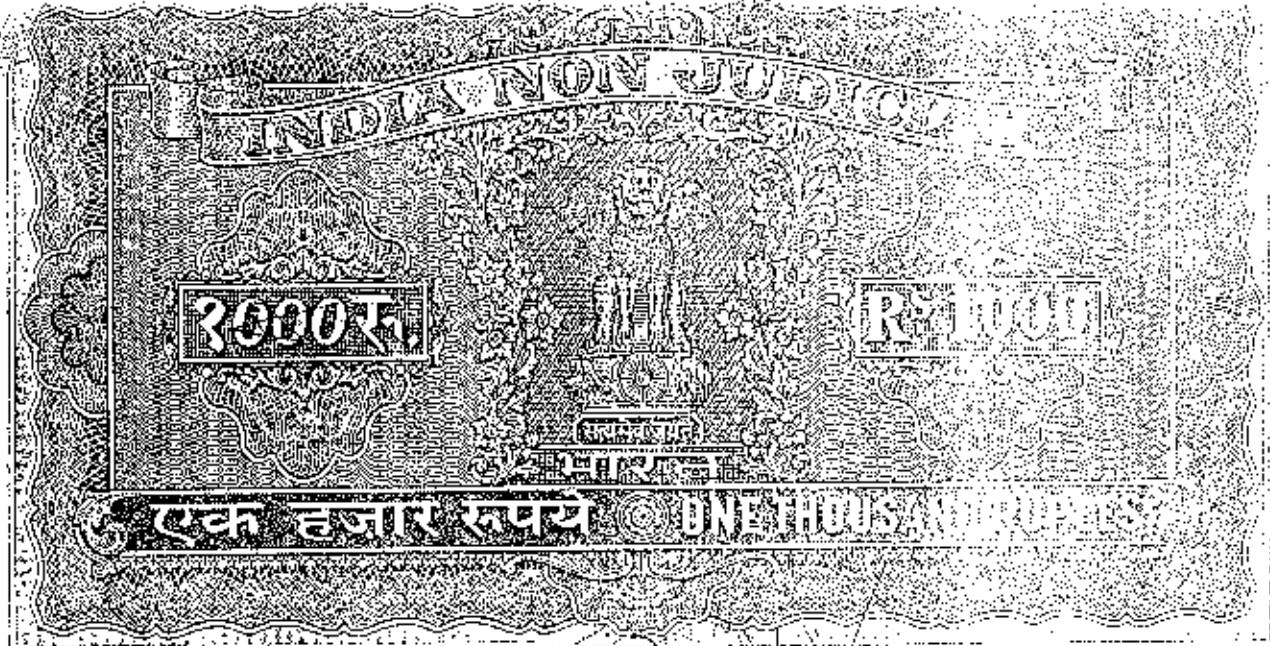
विक्रय पत्र के साथ संलग्न है जिसमें कुल रकम 202500रुपये का अपना कुल 0.5625/16वा भाग इसका उल्लेख होता है। इसका 712रुपये का यानी 66.37रुपये मीटर है। तथा जिसका युल छवड़ एरिया 735.20 वर्गमीटर है तो 0.5625/16वा भाग यानी 25.85रुपये है जोष खुला सहन है। मध्य कुल जुमले 5के 6दूक हर

20 AUGUST 1976



प्रकार सहित गय आशजी दहती के खाली दूषि जो राफन के
रूप में हैं व नय नीचे की भूमि व जमर ती छत के बीच परोदर
राम्भिति के साथ हैं। जिसके पूरब ये गगाली उड़ियन ऐ सरला
20फुट उत्तर में गली बादहू धर्मिता मेरठ दक्षिण में गली बादहू
नोदी भवन है; जिसका नाम पालिका में कर निर्माण खाला राह
38/1 है।

द. क. शुभमानी



अतः यह विक्रय पत्र लिख दिया। इन गांधी रुपयों का यह बहु
आये।

१००० रुपये।



तिहरीर तारीख :- 15-9-2005

₹५० रु. 50 Rupees

50

रा०

Parthi Krishan

S/o. Arunegam Krishan

30-E, Nivedita Enclave,

Pashim Vihar

New Delhi

रा०

Satyendra Singh

S/o Hemal Devender Singh

Apartment No. 1001

Shiv Kali

Hauz Khas

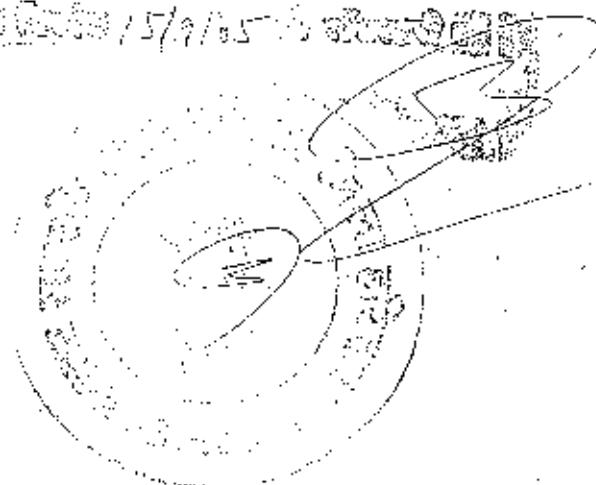
टाईपकर्ता

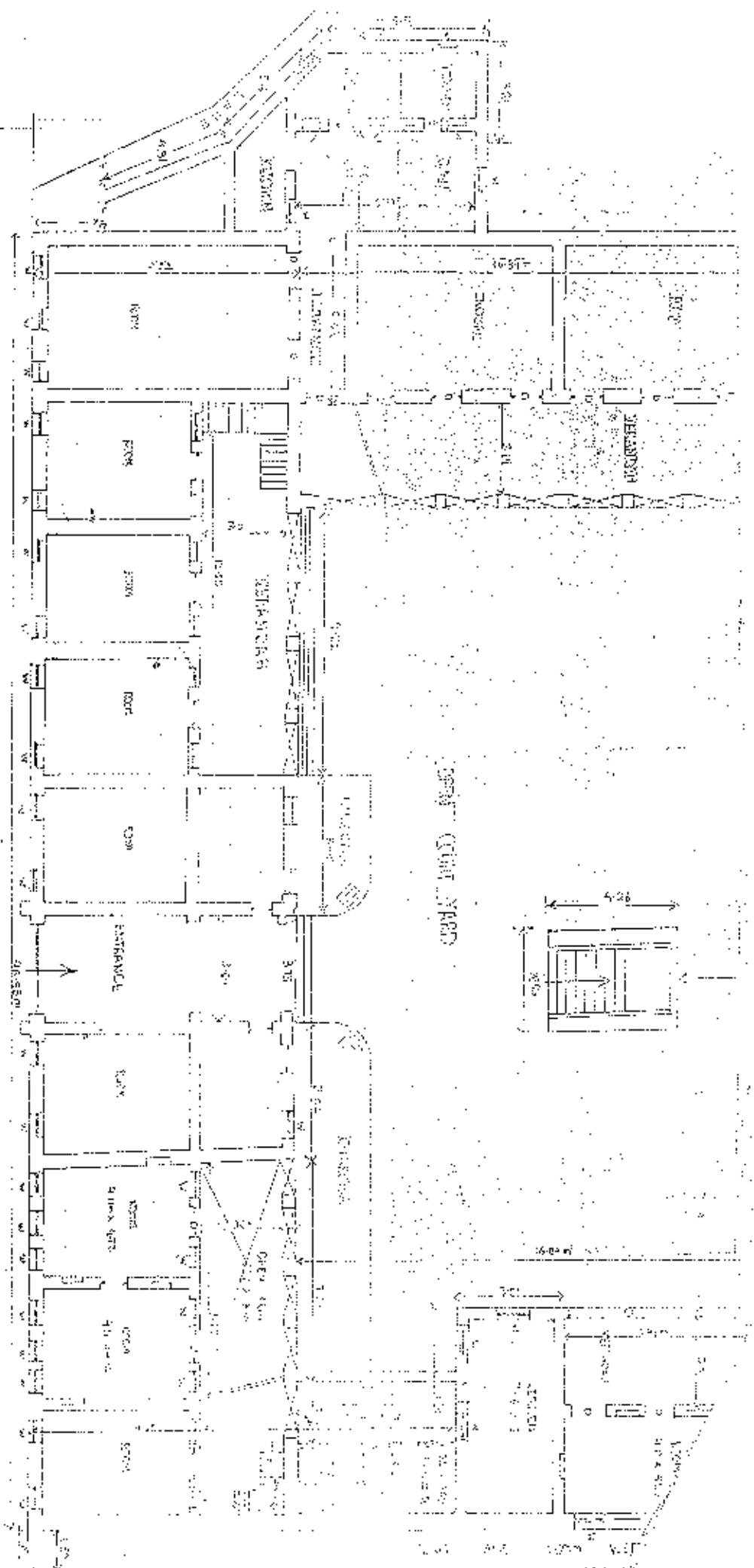
संग्रहीत करने वालों के लिए
कृपया नम्बर को बढ़ावा दें।

17/9/65 502
1273
1374

1374 1273 362

1374 362
1273
1374 1273
1374 1273





ECKUND-FLOOR-PLAN

VÄRTNINGEN . ARHUS

देवता देवता देवता देवता देवता
देवता देवता देवता देवता देवता

ପ୍ରକାଶନ ପରିଷଦ୍ର ଓ ଜ୍ଞାନପତ୍ର

RECORDED BY: [Signature]

RECORDED BY:

RECORDED BY:

